Name of the Practice- Shri Swami Vivekanand Jayanti Saptah

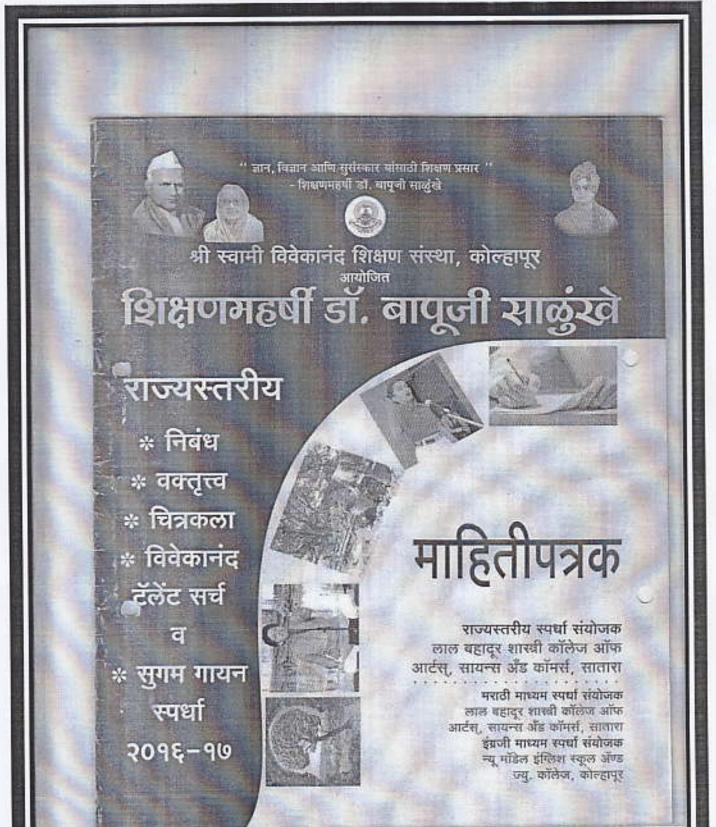
Objectives:-1. To provide platform for students to perform Arts.

To inculcate different life skills among student teachers.

Rationale- To Swami Vivekanand 'Education is the manifestation of theperfection already in man.' India has immortal strong sense of cultural unity. He is a role model of Indian culture. Swami Vivekanand was the one who revealed the true foundation of this culture and was able to defense and strengthen unity as a nation. He is a representative of truth, character, glory, sacrifice, devotion, generosity, anticipation and hard work. Our Santha trusts, works and respects the philosophy and teaching of great Shri.Swami Vivekanand ,so this Sanstha named after him. Shri Swami Vivekanand Shikshan santha, Kolhapur based on the philosophy of Shri Swami Vivekanand. Our college Sansthamata Sushiladevi Salunkhe Mahila Shikshanshastra Mahavidyalay, Tasgaon celebrates Shri Swami Vivekanand jayanti saptah every year from 12th January to 19th January. One paraghaph from the Book "Swami Vivekanand Vichar Darshan" is read loudly in front of student teachers which is highly inspirational. In a whole week curricular and co-curricular activities are carried out with great zeal and zest. Eminent speakers deliver speeches, discourses on various topics. Various competitions are carried out to encourage student teachers o show their talent traditional day, geography day is celebrated where cultural activities are performed by student teachers.

Outcomes-

- 1. Students participate in activities which help to come out with personality development.
- Student teachers got an opportunity to listen learned speakers.
- 3. Events provided by Sanstha and events provided by college, executed simultaneously.
- 4.Students perform traditional activities with great joy.



MARKING SECHEME

ESSAY COMPETITION

| | Begi- ning | | Style of language | | Handwriting & Use of Language Device | Concl- usion | Total |
|-------|---------------|----|-------------------|----|---|-----------------|-------|
| Marks | 05 | 15 | 10. | 10 | 05 | 05 | 50 |

ELOCUTION COMPETITION

| Types | Begi- ning | Subject Presnta- tion | | Style of language | | Impression on Listeners | Total |
|-------|---------------|-----------------------------|----|----------------------|----|-------------------------------|-------|
| Marks | 05 | 10 | 10 | 10 | 10 | 05 | 50 |

DRAWING COMPETITION

| Types | Properti- onality in Drawing | ESPACE OF THE PROPERTY OF THE | | Liveliness of Drawing | 20,000,400,000 | A PARTY NAMED IN COLUMN | Total |
|-------|------------------------------------|---|----|--------------------------|----------------|-------------------------|-------|
| Marks | 05 | 10 | 10 | 10 | 05 | 10 | 50 |

VIVEKANAND TALENT SEARCH

| Types | Sanstha Knowledge | Dr. Bapuji & Sansthamata Sushifadevi | General Knowlege | Syllabus | Total |
|-------|----------------------|--|---------------------|----------|-------|
| Marks | 20 | 20 | 20 | 40 | 100 |

देशाला मिळालेल स्वातंत्र्य टिकविण्यासाठी स्वामिनानी, कर्तव्यद्धा, सुदुव आणि निरोगी सनाची भावीपिटी हवी आहे कारण या देशातील कोट्यायणी लोक निरक्षर असून अज्ञान व अधिकारात चांचपदा आहे. ह्या सर्वाना सुशिक्षित आणि सुसंस्कारी बनविण्यासाठी मेला आजन्म शियाकच राहिले पाहिचे म्हणून मी राजकारणात पेणार नाती.

- शिक्षणमहर्षी डॉ. बापूजी सार्खुखे



शिक्षणमहर्षी हाँ. बापूजी साळुंखे निबंध, वक्तृत्व, चित्रकला, टॅलेन्ट सर्च व सुगम गायन स्पर्धा २०१६-१७

माहितीपत्रक

(30)



शिक्षणमहर्षी डॉ. बापूजी साळुंखे निबंध, वक्चूस्व, चित्रकला, टॅलेन्ट सर्च व सुगम गायन स्पर्धा २०१६-१७

माहितीपत्रक

(24)

Statelevel Winners will be Awarded with following Prizes.

First Dank

Books + Cash Prize + Shield + Certificate

Second Dank

Books + Cash Prize + Shield + Certificate

Third Dank

Books + Cash Prize + Shield + Certificate

New Model English School & Junior College, Kothapur will award the Prizes to State Level Winners in English Medium Competition.

Vivekanand Talent Search For Primary and Secondary Level

* 5th to 7th Primary

* 8th to 10th Secondary

 This Examination will be conducted as per the nature of the 7th Scholarship Examination.

* The Examination will be 100 Marks

On Wensday 18/1/2017 at School Level. Time 12 to 2

On Friday 27/1/2017 at District Level. Time 12 to2

On Thursday 9/2/2017 at State Level. Time 12 to 2

७ 'सस्येच्या प्रत्येक शाखा श्रुत्यातून उप्या र्गाहरूया आहेत. पहिल्यापासून संस्थेन गुणवासा वावविष्याचा य टिकविण्याचा प्रयत्न केला तसच श्रमातून द्र्यदार य सुंदर इमारती उभारत्या आहेत. ही सर्थ श्राणीव ठेवून गुरुदेव कार्यकर्त्यांनी शाखेसाठी थोगदान द्वावे च संस्थेची परंपग विरंतर ठेवावी.'

- शिक्षणमहर्षी डॉ. बापूजी साळुंखे

महाविद्यालयीन नद *
 (सर्व सिनिअर महाविद्यालये, वी.एइ., डी. एइ. महाविद्यालये)

अ) ्निबंध स्पर्धा

चेळ १ तास

- १) शब्द मर्यादा १००० शब्दांपर्यंत
- २) निबंध कागदाच्या एकाच बाजूस लिहावा.

विषय-

- १) शिक्षणमध्यी हाँ, बापूजी साळुंखे एक शैक्षणिक विचारवंत
- २) समर्पिता संस्थामाता सुशीलादेवी सार्खुखे
- ३) योद्धा संन्याशी स्वामी विवेकानंद
- ४) सामाजिक स्वास्थ्य प्रसारमाध्यमांची जवाबदारी
- ५) पाणी युद्धाकडे जगाची वाटचाल

ब) ्रववतृत्व स्पर्धा

वेळ १२ मि.

विषय-

- आजची सामाजिक परिस्थिती व शिक्षणमहर्थी डॉ. बापूओ सार्खुखे गाँचे मृत्य विचार
- २) शिक्षणमहर्षी डॉ. प्रापूजी साखुंखे यांच्या कार्यातील संस्थामातेचे योगदान
- ३) केंशलेस की कास्टलेस इंडिया काळाची गरज
- ४) स्मार्ट सिटीज् की स्वयंपूर्ण खेडी
- ५) डॉ. बाबासाहेव आंबेडका भारतीय संविधानाचे जिल्पकार

क) चित्रकला स्पर्मा

बेळ १.३० तास

- १) चित्राचा आकार (३८ सेमी x २८ सेमी)
- २) फक्त जलरंगात चित्रे रंगवाबीत.

विषय-

- शिक्षणमहर्षी हाँ, बायूजी साळुंखे व संस्थामाता मुशीलादेवी साळुंखे यांचे एकत्रित व्यक्तिचित्र
- २) लेक वाचवा देश वाचवा (पोस्टर)
- श्रीमंत छत्रपती शिवाजी महाराज यांच्या जीवनातील एक प्रसंग
- ४) पर्यावरण समस्या (पोस्टर)
- ५) माझ्या कल्पनेतील स्मार्ट सिटी



शिक्षणमहर्षी डॉ.

बापूजी साळुंखे निबंध, वक्तृत्व,

चित्रकला, टॅलेन्ट सर्च

व स्गम गायन

स्पर्धा २०१६-१७

माहितीपत्रक

(94)

स्थापना : जून,१९८४

नंक पुनर्याच्यांकन > 'B'



"इन विकास आर्थ पूर्वाच्या यामाले विकास प्रवार" विकास मार्थी प्रमुखी कानुष्ये को स्थामी विकास प्रकास संस्था कोल्डापुर संधानिका, (जिसाओ विकासीट, मोल्डापुर संस्थितन)

संस्थामाता सुशिलादेवी सार्कुखे महिला शिक्षणशास्त्र महाविद्यालय, तासवारज्ञ दि:१९/१/२०१७

कार्यक्रम पत्रिका : श्री स्वामी विवेकांनद सप्ताह समारोप

दीपप्रज्यलन :

प्राचार्य व सर्व स्टाफ / प्रमुख पाहुणे

प्रास्ताविक:

विद्या सदाकळे

वाचन -

आदर्श शिक्षण श्री वियेकानद विचार - शरयु सार्वत

स्वागत:

प्राचार्य इस्ते - प्रा. अनय पाटील व डॉ. संजय सुतार.

अध्यक्ष व प्रमुख पाहुणे यांचा परिचय - मनिया पाटील

वक्षिस वितरण -

नियंध, यक्तृत्व, चित्रकला

सूत्रसंचलन :

धनश्री देशमुख

प्रशिक्षणाधी मनोगतः मिरनकर भाग्यश्री

प्रमुख पाहुणे यांचे मार्गदर्शन - प्रा. पाटील अजय

अध्यक्ष -

डॉ. संजय सुतार

आभार:

सीमा कुलकर्णी

Airie and

Aman Hill

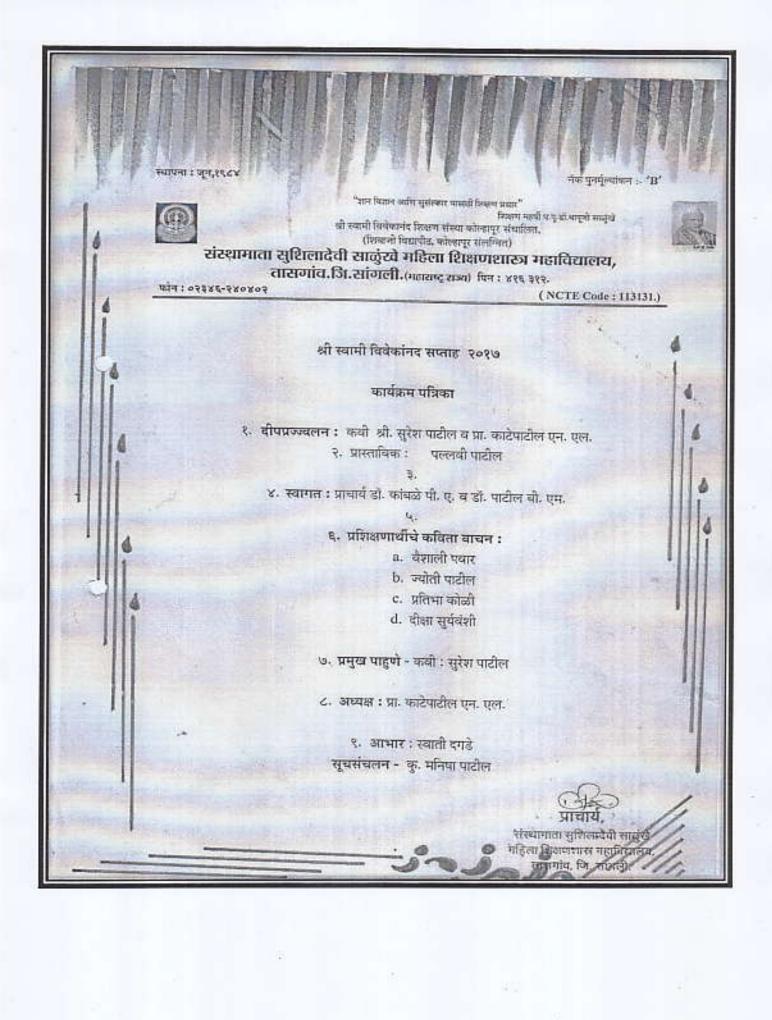
(डॉ.पाटील बी.एम.)

(कु. धनश्री देशमुख)

(हॉ.पी.ए.कांवले)

विभागप्रमुख

सांस्कृतीक प्रमुख



| | जिन्द्री प्राचारी, परिचारिकावारी सार्थे परिचारिकावारी महाविधाने | 易叫 | | | | 4 4 |
|-----|--|------------------------------------|--|--|---|-----------------|
| | me mount | prod | | वास्ता विशेषा व अवस्ता | 4,000 | 0.000.000 |
| | ne mention | mined a moening | Andrew and the Late and survey | Helt maje. | 0.633 | The state of |
| 30 | and districts | मा, पोश्यद्दे थी, सूच | प्रथम वर्षे । विद्वतिय वर्षे | the states of th | F 8 | |
| | Statement pre- | は、中の名は、日 | प्रवास वर्षाः विद्रतीय वर्षे | 49-49 | 0.6 50.5 | 200 |
| | and growth him | के पार्टाङ मी. प्रा | Sand and Location and | 46584 | 1 5 3 E | |
| | Marinette para | mand a manual | Animalia guin mais a a'll miles males | April mega | 4 02.33 | 637.273 2000 |
| | and Martiness | प्रा. गंडीर एड. ची: | Aprilla succession - Non se | व्यक्तीयम् प्राचीतम् | 40.00 | |
| | and measure | हा, विस्तृतकार प्रथम | and particular and product that the training | angun sashun | 00 E | Section. |
| | Senting no | Appendig a | Assemble som man a set arter some | 100 | 28.30 | thilling |
| | and Streetlers | 1 | and the property of the property of | Kith Rivers | 4,00 | |
| | Manual pu | र्च प्राचील की सुन | पुरस्य विश्वविद्यास्त्र आरोप्यास्त्राचीत् स्ट्रांस्य समुख्य आरोपात्र — स्ट्री सुनात्री स्ट्रांस्य रापम् निर्दारम् वर्षात्रीत्र प्रतिकारमात्रीते कर्त स्थाते करावे | High a | 6 + 3 A | |
| | | | मानाव्य अवस्थान नाव्या प्रदेश के नाव्या स्थान क्षेत्र । मानाव्या अवस्थान क्षेत्र । मानाव्या अवस्थान क्षेत्र । मानाव्या प्रदेश के मानाव्या । मानाव्या । मान | mis pilke | | SALARA. |
| | भा विद्यालीका या. भागते पुरू, को | व परील के एक | आपूर्ण साहुके भारे पूरण विकास • तिवान महाती थाँ, आपूर्ण साहुके साच्या बर्गालीक सन्दानमंत्री क्षेत्रपूर्ण | | 7 7 | The same |
| | ज चारांट की एव | य प्राप्त के प्राप्त | • अरामको सामान्त्रम सहस्रकात् व हिम्मन सम्मान्त्र अन्यातः १६ सम्बद्धः निर्मातः स्थानात् सम्मान्त्रः | amount | 10.03 | |
| | | क्रम् स्ट्राम्य स्ट्राम्य क्रम् | district sont made | Aut lear | 40.40 | |
| thu | गरीवस | phin | the state of the s | Patrick. | - | Market at the |

क्षत्र विश्वान अवस्थि सुरायका प्राथानी निष्ठपात्रसार

च.पू.वर्ष, व्यापी वाह्ये

श्री स्वामी विवेकानंद शिक्षण संस्था, कोल्हापूर

महिला शिक्षणशास्त्र महाविद्यालय, तासगाव

श्री स्वामी विवेकानंद जयंती सप्ताह

दि. १३ हे १९ वानेवारी २०१७

| K. 40 | THE OF | 3 | | Jan. | | | and at being at a sails |
|---|--|-----------------------------|---|---|--|---|-------------------------|
| S o o d | 3.50 | \$.00 H 2. | 43.30 43.30 | 4.00 \$.00 | 5.00 d | 2 A 3 | 103 |
| विकाल सप्त | वार्टक्शाट | कान्यवासन | force upd | प्राचेकी स्वर्थ | FilhBilbe | क्षे अपनी विशेषात्रके वृद्धति स्वच्छ वृद्धात्रव वृद्धात्रव | Hebbs 1 |
| त्रियम महर्ष सं गापूर्ण कर्नुत व सम्बामात्र सुत्रीकर्वण मन्तुत साम एक्ट्रेस विक. त्रिया प्रदेश निक्र सम्बाद सम्बाद स्थाप अधिकारीक एक प्रयोग - माहण कर्यक्रीत साम व्यव सीवकारीक एक प्रयोग - माहण कर्यक्रीतिक साम विक्रो | प्रथम करें / विद्योग गाँ— मोटा पटी फायदे म कोट 7 | समातीक वर्षणा | निर्माण प्राप्ति को आपूर्ण साम्रोके एक मेश्रीयाक विभावता. स्पार्तिता— संस्थायाक मुक्तिकारेला साम्रोक्षे स्थान संस्थापति — काम्रो विभावतात आयाववाति साम्रोक्षित स्थानका— प्रमुख्यान स्थानकार्या आयाववाति सम्रो युक्ताका जाताची सार्थनातः | जित्रक सहये हो, वापूनी साह्या योज्याचार सुर्वाकारेची साह्या निवारीका कार्याक. | या. यो. के. पार्टीक परम्पूर्ण की. वर्षात्का पार्टीक पहार्थिकारम, तत्मक्रम | धी स्थानी विशेषात्तेह प्रतिमा व राजानात प्रतिमा पुत्रन स्थानमात म भागम प्रतिमुक्तावीनीचे सामग्रे प्रारम्भक प्रतिनिधी सन्तेषता. | विषय |
| हीं. विकालीम | मा. ए.डी. पार्टल | धा. कारे पार्थक (ल. पात. | झं एको पार्टील झं. पार्टील की पून | भा, कानक थी, एस | प्रांजी, चीवाडे वी. एवं. | हों, चरीए थी,एन, | THE |
| भी जिल्हा सुर्ववको | मध् प्राच्यापम् | stehments par | प्रा अपने पुत्र, की, वा निव्यक्तीय प्रा केलके ची, प्रमा | र्थ प्रतिपर्यक र्थ प्रदेश की पून | | यह आध्यापक | white . |
| ACC. | | | | | | ES W | 481 |

Name of The Practice- Gandhi Vichar Sanskar Pariksha

Objectives- 1.To inculcate values experienced by Mahatma Gandhi.

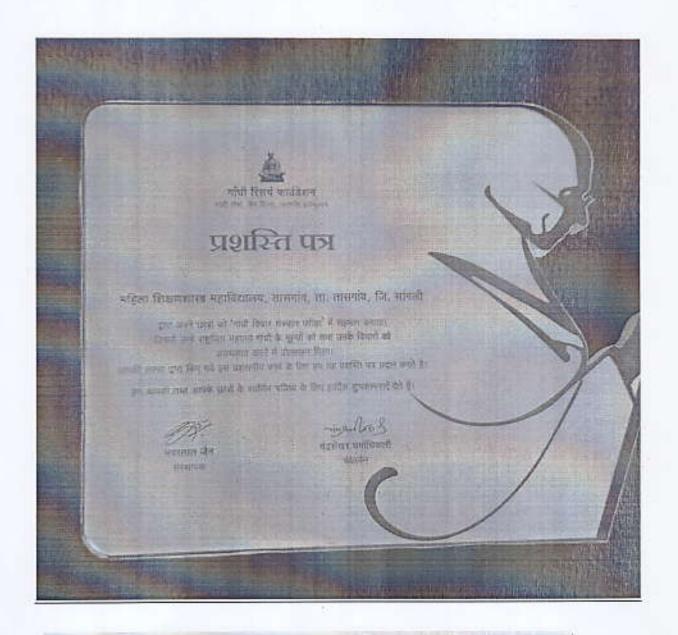
To disseminate writings of Mahatma Gandhi.

Rationale-

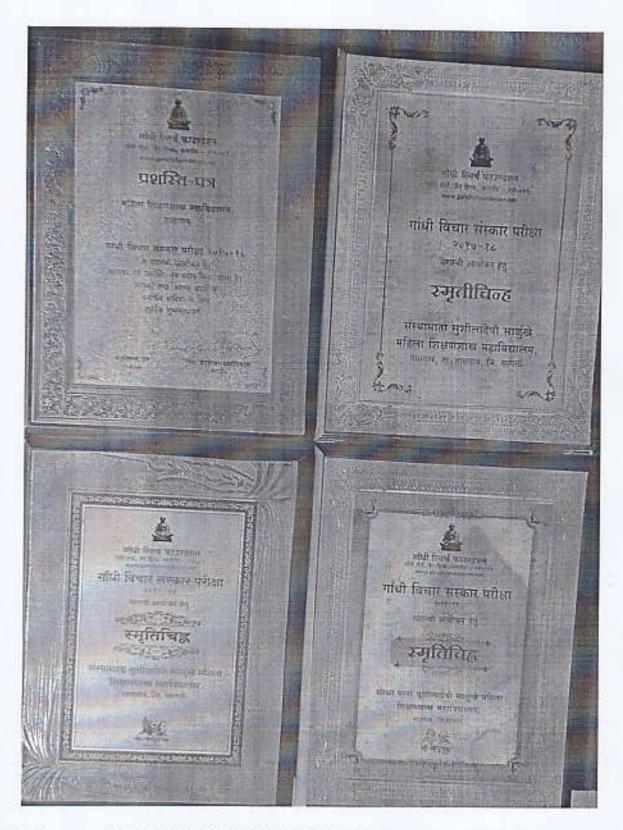
Mahatma Gandhi the great philosopher, thinker and educationist. Gandhiji's. Contribution to education is unique. He was the first Indian who advocated a scheme of education. According to Gandhiji literacy is neither the beginning nor the end of education. Gandhiji observes by education I mean an all round drawing out if the best in child and man-body, mind and spirit. This is only a means through which man and woman can be educated. This is how Gandhiji summed up his idea of true education. To spread thoughts of Mahatma Gandhi to inculcate values given by him to learning generation. Gandhi Vichar Sanskar pariksha is conducted yearly in the college .Students are made compulsory to enroll for the same information regarding registration and examination is provided by Gandhi research centre Wardha.

Outcomes

- 1. Students read the material provided to them.
- Students participated in examination seriously.
- 3. Student participants received participation certificate



Certificate of appreciation received from Gandhi Research Foundation





Token of appreciation from Gandhi Research Foundation, Wardha

Sansthamata Sushiladevi Salunkhe Mahila Shikshanshastra Mahavidyala, Tasgaon, Dist. Sanoli. Pin. 416 312